ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–47
दिनांक: मंगलवार, 23 जून, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.6 एवं 24.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 87 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 65 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 6.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 32.0 एवं दोपहर में 41.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(24–28 जून 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 23 जून से 28 जून, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि में उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों में आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है। कहीं–कहीं छिट–पूट वर्षा हो सकती है। हलाकि 28–29 जून के आस–पास बेगूसराय, समस्तीपुर, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी एवं पश्चिमी चम्पारण जिलों में मेघगर्जन एवं वज्रपात के साथ अनेक स्थानों पर अच्छी वर्षा होने का अनुमान है। इस अवधि के अधिकांश समय आकाश में हल्की से मध्यम बादल छाए रहने की संभावना है।
- औसतन अधिकतम तापमान 35–37°C के बीच रहने की संभावना है, जबकि सिवान, गोपालगंज एवं बेगूसराय जैसे कुछ जिलों में तापमान 40°C तक पहुँच सकता है। दूसरी ओर, मधुबनी एवं सीतामढ़ी जिलों में वर्षा की घटनाओं के कारण अपेक्षाकृत कम तापमान महसूस हो सकती है। न्यूनतम तापमान 24–28°C के बीच रहने का अनुमान है।
- सुबह की सापेक्षिक आर्द्रता 75–80 प्रतिशत तथा दोपहर की सापेक्षिक आर्द्रता 25–30 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- हवा मुख्यतः पूर्वी दिशा से 12–18 किमी प्रति घंटा की गति से चल सकती है।

समसामयिक सुझाव

- आगामी कुछ दिनों में मानसून की कमजोर स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे ऊँचास जमीन में खरीफ धान की बीजस्थली तैयार करने का कार्य फिलहाल न करें। जिन किसानों के पास सिंचाई की समुचित सुविधा उपलब्ध है, वे निचली भूमि में मध्यम अवधि वाली धान की किस्मों जैसे *राजेन्द्र नीलम, राजेन्द्र भगवती, राजेन्द्र सरस्वती* एवं *राजेन्द्र श्वेता* का बिचड़ा बीजस्थली में गिराने तथा नर्सरी तैयार करने का कार्य जारी रख सकते हैं। बीजस्थली में पर्याप्त नमी बनाए रखने एवं पौधों को सूखने से बचाने के लिए आवश्यकता अनुसार जीवनरक्षक सिंचाई करें।
- सिंचाई सुविधा वाले किसान ऊँचास जमीन में भिंडी, कद्दू, खीरा, नेनुआ एवं लौकी जैसी सब्जी फसलों की बुआई कर सकते हैं। वर्तमान उच्च तापमान एवं अल्प वर्षा की स्थिति को देखते हुए खेत में खड़ी फसलों में नमी बनाए रखने हेतु आवश्यकता अनुसार जीवनरक्षक सिंचाई करें।
- वर्तमान कमजोर मानसूनी परिस्थितियों को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे ऊँचास जमीन में धान के स्थान पर अरहर (*राजेन्द्र अरहर*–1) एवं उड़द जैसी वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाएँ।
- खरीफ मक्का की खेत तैयारी एवं *शक्तिमान*–2, *शक्तिमान*–5, *शक्तिमान*–6 एवं *राजेन्द्र शंकर मक्का*–3 किस्मों की बुआई का कार्य शीघ्र पूरा करें। अंतिम जुताई के समय प्रति हेक्टेयर 100–150 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद के साथ 30 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें एवं बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी सुनिश्चित करें।
- किसान खरीफ प्याज की नर्सरी तैयार करें। *एग्री फाउंड डार्क रेड* (एडीआर), *एन*–53, *भीमा सुपर* एवं *अर्का कल्याण* किस्मों के गुणवत्तायुक्त बीजों की व्यवस्था करें। एडीआर की नर्सरी ऊँची क्यारियों पर तैयार करें तथा अधिक वर्षा से बचाव हेतु 1.5 मीटर ऊँचाई पर पॉलीथीन आवरण की व्यवस्था करें।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि शरदकालीन गन्ने में नत्रजन की शेष मात्रा का प्रयोग कर मिट्टी चढ़ाएँ तथा वसंतकालीन गन्ने में निराई–गुड़ाई एवं उपरिवेशन का कार्य करें।
- लीची की फल तुड़ाई के बाद बगीचों में छंटाई (प्रूनिंग) एवं साफ–सफाई करें तथा गिरे हुए पत्तों एवं सूखी टहनियों को हटाकर नष्ट करें, जिससे कीट एवं रोगों का प्रकोप कम हो सके।
- दुधारू पशुओं में संक्रामक रोगों से बचाव हेतु पशु चिकित्सकों के निर्देशानुसार रोग–निरोधक उपाय अपनाएँ तथा मेघगर्जन एवं वज्रपात के समय पशुओं को खुले में न रखें।

आज का अधिकतम तापमानः **39.0** डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 24.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी